1836 4 1 100Rs

U.. AR PRADESH

INDIA NON JUDICIAL

१००रु. Rs100

भारत

एक सौ रुपया ONE HUNDRED RUPEES

हम कि श्री रसूला व दरबारी पुत्र इनायत खां व उमरदीन व भूरू व जिले पुत्र दीन् जाति जाट मुसलमान निवासी ग्राम पसौंडा परगना लोनी जिला मेरठ (उत्तर प्रदेश राज्य) के हैं।

जो कि मवाज़ी एक बीघा २ बिस्वा १)२ पुख्ता आराजी यानि तीन बीघा छै बिस्वा ३।१ कच्ची भूमि जो तीन हजार तीन सौ साढ़े सत्ताईस ३३२७ $\frac{१}{२}$ वर्ग गज मुताल्लिका नम्बरी शिजरा खसरा सहराई आठ सौ तेईस ८२३ १)२ स्थित ग्राम पसौंडा परगना लोनी जिला मेरठ के मुकिरान बर्फ़े नुक्स कानूनी व वाकायी बिला शरकत गैरे खुद बो जोत द्वारा मालिक काबिज भूमिधर हैं जो हर प्रकार के बंधक भार सरकारी देनदारी आदि से सुरक्षित हैं। कहीं आड़, रहन व आदि में मकबूल नहीं है। न आज तक स्वबायर हुई है न स्वबायरी का कोई नोटिस मिला है। मुकिरान ही स्वयं बो जोत के काबिज हैं। हमारे अलावा और कोई शख्स न काबिज है न शरीक काश्त व खाता है। बेचने का पूर्ण रूप से अधिकार है। उक्त नम्बर ८२३ १)२ हमारे चक से बाहर है। प्रबन्ध काश्त देखभाल भली प्रकार से नहीं कर पाते न पैदावार से विशेष लाभ है। बेचने में फायदा है। कीमत माकूल मिल रही है जिसके रुपये से हम और जमीन खरीद कर रहे हैं जिसमें हमारा बारसान हमारे का विशेष लाभ है। अत: हमने अपनी खुशी रजामन्दी शुद्ध बुद्धि स्वस्थ्य इन्द्रियों के उपरोक्त नम्बर ८२३ १)२ यानि ३३२७ $\frac{१}{२}$ वर्ग गज को मये अपने हमगी तमामी हकूक काश्त भूमिधरी मालिकाना दाखली खारजी हर किस्म व क़ब्जा सिंचाई कूप आदि अदायगी मालगुजारी सरकार बमये जिन्स मौजूदा फसल रबी १३६७ फसली गर्ज कि जो कुछ भी उससे सम्बन्धित है कोई हक हिस्सा बेसे बचा हुआ नहीं है को आज की तारीख में बअवज़ मुबलिग पांच हजार तीन सौ पचास (५३५०) रुपये आधे जिसके मुबलिग दो हजार छै सौ पिचहत्तर २६७५) रुपये होते हैं में बहक देवी दयाल मैटिल इन्डस्ट्रीज़ प्राइवेट लि० ६।४ बी पूर्वी मार्ग राजेन्द्र नगर नई देहली ५ द्वारा श्री देवकुमार अग्रवाल डायरेक्टर के बकतई कर दी बेच दी। जरे समन बतफसील के नौ सौ ९००) रुपये नकद पेशगी बतौर

क्रमांक 5354

66/-3/-64/—1100

रसूला

खेती

इस दस्तावेज की तकमील है

पांच हजार तीन सौ पचास रु०

चार हजार आठ सौ पचास रु०

रसूला

ने स्वीकार किया

मे सी

पेशा

की गवाह

का संतोष कर लिया है

ऊपर के चिन्ह अंगूठे मेरे समक्ष

लिये गये हैं

इस दस्तावेज में ... किये स्टाम्प

कीमती ... का ... है

पैंतीस रुपया

३५रु. भारत INDIA THIRTY FIVE RUPEES 35RS

बयाना व पार्ट पेमेन्ट बजरिये इकरारनामा महायदा बे दिनांक १३।२।१९६० ई० को वसूल पा चुके हैं। बाकी मुबलिग चार हजार चार सौ पचास ४४५०) रुपये नकद हंगाम रजिस्ट्री श्री सब रजिस्ट्रार साहब गाजियाबाद के सामने वास्ते खरीदने जमीन वसूल पा लिये। अब विक्रय नम्बर ८२३/२ की मौजूदा जिन्स व हकूक काश्त भूमिधरी व मूल्य धन आदि से हमारा वारसान हमारे का कोई सम्बन्ध बाकी नहीं रहा है न आइन्दा होगा। कब्जा मौके पर वाकई कामिल बजरिये हवालगी सुपुर्दगी करा दिया गया है जिसकी खरीदारा मालिक कामिल बन गई है। मालिकान फैक्टरी जिस प्रकार चाहें इस्तेमाल मालिकाना में लावें। कागजात माल से अपना नाम खारिज कराकर खरीदारा का नाम दर्ज करा देंगे वरना मालिकान फैक्टरी स्वयं करा लें कुछ उज्र न होगा। यदि भविष्य में विक्रय भूमि तथा जिन्स मौजूदा के सम्बन्ध में कोई अन्य व्यक्ति अंशीदार होकर स्वाधिकार प्रस्तुत करे स्वामित्व स्वत्व में प्रयोग करने की चेष्टा करे। विक्रय भूमि कहीं आड़ रहन बे आदि में मकफूल निकली, हमारी भूमिधरी मिलकियती में कुछ धोखा निकला बवजह बे इस्तहकाकी मुकिरान बायान बकाब्जेदारी शहीम व शरीक वारसान हमारे के या किसी कानूनी नुक्स से विक्रय भूमि कुल या जुज कब्जे खरीदारा से निकल जावेगी तो हर ऐसी दशा में मालिकान फैक्टरी खरीदारा को अधिकार होगा कि अपना कुल रुपया मये सूद कानूनी जुमले हरजा व खरचा व लागत तामीरात आदि को बजरिये अदालत मजाज मुकिरान की जात खास व विक्रय भूमि अन्य चल अचल सम्पत्ति से जिस प्रकार चाहें वसूल कर लें। विक्रय भूमि के

1/7

सम्बन्ध में समस्त आपत्तियों का उत्तरदायित्व स्वयं मुकिरान पर होगा । अतः यह बैनामा कतई लिख दिया प्रमाण रहे और समय पर काम आवे ।

हदूद अरबा विक्रय नम्बर ८२३ रकबा १/२

पूरब: नम्बर खसरा ८२४/१/३ जिसको रहमू से खरीदार ने खरीदा है ।

पश्चिम नम्बर खसरा ८२२ (आठ सौ बाइस)

उत्तर: नम्बर खसरा ८२५/२। जिसको महरदीन समय दीन युसफ अली व कुट्टा से खरीदार ने खरीदा है ।

दक्षिण: नम्बर खसरा ८४३/३।२ जो श्री चितरंजन दास आदि

तहरीर तारीख २०।४।८०

लेखक श्यामलाल अरजी नवीस गाजियाबाद

टाइप किया गया द्वारा परमानन्द
३० राइट गंज, गाजियाबाद।

H/8

५२० मिति १९।५।६० [illegible]

बही नं० १ जिल्द १०२२ के पृष्ठ ३२८ से ३२९ पर नं० ७२३६ पर आज दिनांक २-६-६० को रजिस्ट्री की गई